Roll No. .....

# A–987

## B. Ed. (Fourth Semester) (Main/ATKT) EXAMINATION, May/June, 2017

Paper Eleventh

LANGUAGE PROFICIENCY—HINDI

*Time :* $1\frac{1}{2}$ *Hours* ] [ *Maximum Marks : 50*

**नोट :** सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : प्रत्येक 5

   (अ) भाषा क्या है ? भाषा को परिभाषित करते हुए समझाइये।

   (ब) हिन्दी भाषा की विशेषता एवं आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : प्रत्येक 3

   (अ) भाषा रूपान्तरण को समझाते हुए भाषा रूपान्तरण के नियम बताइये।

   (ब) सार लेखन को परिभाषित कीजिए।

   **अथवा**

   प्रस्तुत अनुच्छेद का सार लेखन कीजिए एवं शीर्षक लिखिए :

   शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य बनाना, उसमें आत्मनिर्भरता की भावना पैदा करना तथा देशवासियों का चरित्र-निर्माण करना होता है। परन्तु वर्तमान शिक्षा-प्रणाली से इस प्रकार का कोई लाभ नहीं होता, इसे केवल उदर-पूर्ति का साधन-मात्र कह सकते हैं। परन्तु वह भी पूर्णतया नहीं, क्योंकि अब भी प्रतिवर्ष विश्वविद्यालयों से



Scanned by CamScanner

हजारों नवयुवक डिग्री प्राप्त करके निकलते हैं, परन्तु उन्हें नौकरी नहीं मिल पाती। इस प्रकार बेकारी दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। यह इस शिक्षा का प्रमुख दोष है। कारण है कि ऐसी शिक्षा प्राप्त करके वह कुछ और नहीं कर सकता और न करने का उसका विचार ही होता है। दूसरा दोष यह है कि इस शिक्षा-व्यवस्था से मनुष्य की मानसिक, शारीरिक तथा आत्मिक शक्तियों का पूर्ण विकास नहीं होता। वर्तमान शिखा में पला हुआ मनुष्य अपने देश की सभ्यता तथा संस्कृति से, अपने देश की वस्तुओं से तथा भारतीय संस्कारों से घृणा करने लगता है। आधुनिक शिक्षा एकांगी शिक्षा है। इसमें स्त्रियों को पुरुषों के समान लाभ नहीं। यही शिक्षा छात्र में उद्दण्डता, अनुशासनहीनता, चरित्रहीनता, असभ्यता तथा उच्छृंखलता भर रही है। श्रद्धा और भावना जैसी वस्तु उसके निकट नहीं होती। आज उसकी दृष्टि में न अपने गुरुजनों का आदर है और न माता-पिता का सम्मान। विद्यार्थी समाज में एक भयानक अराजकता छाई हुई है। यह सब दोष आज की शिक्षा का ही है।

(स) पत्र लेखन के महत्त्व एवं प्रकार बताइये।

**अथवा**

रायपुर नगर निगम अध्यक्ष के पास एक शिकायती पत्र लिखिए, जिसमें मुहल्ले की सफाई न होने के सम्बन्ध में शिकायत की गई हो।

(द) अपठित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

अनादिकाल से मनुष्य एक चिरन्तन आदर्श की खोज कर रहा है। अपने जीवन की एक अवस्था में, जिसे वह सत्य का पूर्णरूप समझकर ग्रहण करता है, उसी को जीवन की दूसरी अवस्था में त्याज्य समझता है। जीवन की अपूर्णावस्था में सत्य का पूर्णरूप कैसे उपलब्ध हो सकता है। फिर मनुष्य जीवन की सार्थकता किसमें है ? योरोप के प्रसिद्ध तत्ववेत्ता रूसो का कथन है कि





मनुष्य को सदा मनुष्य ही होना चाहिए यही उसका पहला कर्त्तव्य है। सभी अवस्थाओं में संसार के साथ मनुष्य को मनुष्योचित व्यवहार करना चाहिए। स्वभाव से मनुष्य न तो धनी है, न कुलीन। जन्म के समय सभी निःस्व, निःसहाय होते हैं। अपने जीवन में सभी को दुःख-सुख और आशा-निराशा का अनुभव करना पड़ता हैं, सभी मृत्यु के वश में हैं। यह मनुष्य की अवस्था है। यही मनुष्य का मनुष्यत्व है। मनुष्य स्वभाव से दुर्बल होता है। इसी से वह समाज का संगठन करता है। अभाव के कष्ट और अपूर्णता की वेदना ने हमें मनुष्य बनाया है। जिसने कभी दुःख का अनुभव नहीं किया, वह कभी दूसरों के दुःख नहीं समझ सकता। हमारी पूर्णता ही हमारे आनन्द का एक बड़ा कारण है। जब हम कभी अपनी पूर्णता का अनुभव करते हैं, तभी हमें चाह होती है। जिसे किसी की चाह नहीं है, जो किसी अभाव का अनुभव नहीं करता, वह प्रेम नहीं कर सकता। जिसके हृदय में प्रेम नहीं है, वह क्या कभी सुखी हो सकता है ?

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सार लगभग एक-तिहाई भाग में लिखिए।

(ii) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(iii) रेखांकित वाक्यों की व्याख्या कीजिए।

(य) प्रतिवेदन को परिभाषित कर प्रकार बताइये।

**अथवा**

आपकी संस्था के वार्षिक-उत्सव पर प्रतिवेदन तैयार कीजिए।

3. निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5

(अ) संज्ञा एवं सर्वनाम शब्दों को पहचानकर प्रकार लिखिए :

(i) वह एक उदार व्यक्ति है। (संज्ञा पहचानकर प्रकार बताइये)

(ii) 'तेजाब' किस संज्ञा का उदाहरण है ?

(iii) उसने कुछ खाया या नहीं। (सर्वनाम का प्रकार बताइये)

(iv) सब कोई कल मेले में मिलेंगे। (सर्वनाम का प्रकार बताइये)

(v) कौन आता है ? (सर्वनाम का प्रकार बताइये)



Scanned by CamScanner

(ब) समास पहचानकर विग्रह कीजिए : 5

(i) वीणापाणि

(ii) आत्मनिर्भर

(iii) अष्टधातु

(iv) धन-दौलत

(v) अजन्म

(स) नीचे दिये शब्दों से वाक्य रचना कीजिए : 5

(i) फरमाना

(ii) सौभाग्यवती

(iii) दुरुस्त

(iv) शिथिल

(v) लोकप्रिय

(द) मुहावरों तथा लोकोक्तियों का अर्थ बताकर वाक्य बनाइये : 5

(i) गूलर का फल होना

(ii) गाल बजाना

(iii) पानी रखना

(iv) गिलोय और नीम चढ़ा

(v) एक तबे की रोटी क्या मोटी क्या छोटी

(य) प्रत्येक के लिए **तीन-तीन** समानार्थी एवं पर्यायवाची शब्द लिखिए : 5

(i) द्रव्य

(ii) जड़

(iii) बिजली

(iv) किरण

(v) ब्रह्मा



Scanned by CamScanner